II. GENERIC/ DISCIPLINE CENTRIC ELECTIVE [ECHIN402A]:

(क्रेडिट: सैद्धान्तिक -04, ट्यूटोरियल -01)

Marks: 30 (MSE: 20Th. 1Hr + 5Attd. + 5Assign.) + 70 (ESE: 3Hrs)=100	Pass Marks (MSE:17 + ESE:28)=45

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

*20 अंको की परीक्षा में प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A'** में पाँच **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के **अनिवार्य** प्रश्न होंगे। **खण्ड 'B'** में 5 अंको के पाँच **विषयनिष्ठ/ वर्णनात्मक प्रश्नों** में से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे।*

छमाही परीक्षा :

*70 अंको की परीक्षा में प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A' अनिवार्य है** जिसमें दो प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 1** में पाँच **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 2 लघु उत्तरीय** 5 अंक का प्रश्न होगा। **खण्ड 'B'** में 15 अंको के छः **विषयनिष्ठ/ वर्णनात्मक प्रश्नों** में से किन्हीं चार के उत्तर देने होंगे।*

नोट : *परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप–विभाजन हो सकते हैं।*
20 अंकों की दो आंतरिक परीक्षाओं में प्राप्त अधिकतम अंक का चयन होगा।
05 अंक उपस्थिति एवं 05 अंक सेमिनार, एन. एस. एस. एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता पर।
(Attendance Upto75%, 1mark; 75<Attd.<80, 2 marks; 80<Attd.<85, 3 marks; 85<Attd.<90, 4 marks; 90<Attd, 5 marks).

प्रयोजनमूलक हिंदी

सैद्धान्तिक : 75 व्याख्यान, ट्यूटोरियल : 15 व्याख्यान

इकाई I - प्रयोजमूलक हिंदी की अवधारणा एवं दिशाएँ, प्रयोजमूलक हिंदी की प्रासंगिकता।

इकाई II - प्रयोजनमूलक हिंदी और भाषा प्रयुक्ति, प्रयोजनमूलक हिंदी की समस्या एवं समाधान, प्रयोजमूलक हिंदी के उद्देश्य।

इकाई III - हिंदी की संवैधानिक स्थिति, राजभाषा बनाम राष्ट्रभाषा, प्रयोजनमूलक हिंदी और साहित्यिक हिंदी में अंतर।

इकाई IV - राजभाषा हिंदी की विकास यात्रा, प्रशासनिक हिंदी, टिप्पण, प्रारूपण, संक्षेपन, पल्लवन।

इकाई V - पारिभाषिक शब्दावली की समस्या एवं समाधान, व्याकरण की समस्या एवं समाधान, विश्वहिंदी सम्मेलन परंपरा एवं उपलब्धियाँ, राजभाषा हिंदी की दशा एवं दिशा, हिंदी का भविष्य।

अनुशंसित पुस्तकें :–

क्र. स.	रचना	रचनाकार का नाम	प्रकाशक
1.	व्यावासायिक हिंदी	डॉ0 दिलीप सिंह	द0 भारत हिंदीप्रचार सभा,चेन्नई
2.	राजभाषा सकल्प	डॉ0 मधु भारद्वाज	भावना प्रकाशन, दिल्ली
3.	प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध आयाम	डॉ0 माया सिंह डॉ0 सिद्धेश्वर काश्यप	जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4.	प्रयोजनमूल हिंदी का अध्ययन	डॉ0 सुशीला गुप्ता	जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5.	प्रयोजनमूल हिंदी	डॉ0 गुलाम मोइनुद्दीन खान	शबनम पुस्तक महल, कटक
6.	प्रयोजनमूलक हिंदी	सं0डॉ0 बालेन्दुशेखर तिवारी	संजय बुक सेंटर, वाराणसी
7.	कार्यालयी हिंदी	डॉ0 बालेन्दुशेखर तिवारी अभिषेक अवतंस	क्लासिकल प0 कंपनी,नईदिल्ली
8.	प्रयोजनमूलक हिंदी	डॉ0 दंगल झाल्टे	वाणी प्रकाशन, दिल्ली
9.	प्रयोजनमूलक हिंदी	डॉ0 विनोद गोदरे	लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
10.	राष्ट्रभाषा हिंदी समस्याएँ और समाधान	आ0 देवेन्द्रनाथ शर्मा	लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11.	पारिभाषिक शब्दावली – कुछ समस्याएँ	डॉ0 भोलानाथ तिवारी	शब्दकार, दिल्ली
12.	प्रयोजनमूलक हिंदी	डॉ0 दिनेश प्रसाद सिंह	मोतीलाल बनारसीदास, पटना
13.	व्यावहारिक हिंदी	डॉ0 जंगबहादुर पाण्डेय	निर्मल पब्लिकेशन, दिल्ली
14.	हिंदी संक्षेपण, पल्लवन और पाठबोधन	डॉ0 हरदेव बाहरी	अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद
15.	भारत सरकार की राजभाषा नीति	डॉ0 अरविन्द कुलश्रेष्ठ	कंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा
16.	हिंदी वर्तनी का व्यावहारिक उपयोग	डॉ0 हरिवंश तरूण	विकल्प प्रकाशन, दिल्ली
17.	वृहत् व्याकरण भास्कर	डॉ0 वचनदेव कुमार	भारती भवन, पटना
18.	आधुनिक हिंदी व्यारण और रचना	डॉ0 वासुदेव नंदन प्रसाद	भारती भवन, पटना
19.	अपनी हिंदी कैसे सुधारें	रवींद्र कुमार	जागृति पब्लिकेशन, पटना
20.	प्रयोजनमूलक हिंदी	डॉ0 रामगोपाल सिंह	विनय प्रकाशन, अहमदाबाद
21.	प्रयोजनमूलक भाषा और अनुवाद	डॉ0 रामगोपाल सिंह	विनय प्रकाशन, अहमदाबाद

OR

GENERIC/ DISCIPLINE CENTRIC ELECTIVE [ECHIN402B]:

(क्रेडिट: सैद्धान्तिक -04, ट्यूटोरियल -01)

Marks: 30 (MSE: 20Th. 1Hr + 5Attd. + 5Assign.) + 70 (ESE: 3Hrs)=100 Pass Marks (MSE:17 + ESE:28)=45

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

*20 अंको की परीक्षा में प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A'** में पाँच **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के **अनिवार्य** प्रश्न होंगे। **खण्ड 'B'** में 5 अंको के पाँच **विषयनिष्ठ/ वर्णनात्मक प्रश्नों** में से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे।*

छमाही परीक्षा :

*70 अंको की परीक्षा में प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A' अनिवार्य है** जिसमें दो प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 1** में पाँच **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 2 लघु उत्तरीय** 5 अंक का प्रश्न होगा। **खण्ड 'B'** में 15 अंको के छः **विषयनिष्ठ/ वर्णनात्मक प्रश्नों** में से किन्हीं चार के उत्तर देने होंगे।*

नोट : *परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप–विभाजन हो सकते हैं।*
20 अंकों की दो आंतरिक परीक्षाओं में प्राप्त अधिकतम अंक का चयन होगा।
05 अंक उपस्थिति एवं 05 अंक सेमिनार, एन. एस. एस. एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता पर।

(Attendance Upto75%, 1mark; 75<Attd.<80, 2 marks; 80<Attd.<85, 3 marks; 85<Attd.<90, 4 marks; 90<Attd, 5 marks).

अनुवाद विज्ञान

सैद्धान्तिक : 75 व्याख्यान, ट्यूटोरियल : 15 व्याख्यान

इकाई I - अनुवाद की अवधारणा, परिभाषा एवं स्वरूप, अनुवाद की प्रक्रिया, अनुवाद क्या है? शिल्प, कला या विज्ञान ।

इकाई II - भाषा विज्ञान में अनुवाद की भूमिका, अनुवाद की उपादयेता/प्रासंगिकता।

इकाई III - अच्छे अनुवादक के गुण, अनुवाद के प्रकार, रचनात्मक साहित्य का अनुवाद, तकनीकी अनुवाद।

इकाई IV - अनुवाद की समस्याएँ एवं समाधान, पारिभाषिक शब्दावली के अनुवाद की समस्याएँ, अनुवाद और भाषांतरण ।

इकाई V - आदर्श अनुवाद के अभिलक्षण, अनुवाद चिंतन की परंपरा।

अनुशंसित पुस्तकें :—

क्र. स.	रचना	रचनाकार का नाम	प्रकाशक
1.	अनुवाद विज्ञान	डॉ भोलानाथ तिवारी	शब्दकार, दिल्ली — 92
2.	अनुवाद की व्यावहारिक समस्याएँ	डॉ भोलानाथ तिवारी	शब्दकार, दिल्ली — 92
3.	अनुवाद शास्त्र	सं0डॉ0 बालेन्दुशेखर तिवारी	समन्वय प्रकाशन, गाजियाबाद
4.	अनुवाद विज्ञान	सं0डॉ0 बालेन्दुशेखर तिवारी	प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
5.	रोजगाराभिमुख अनुवाद विज्ञान	डॉ0 सुरेश महेश्वरी	मितल एंड सन्स, दिल्ली
6.	अनुवाद कला	डॉ0 विश्वनाथ अय्यर	प्रभात प्रकाशल, दिल्ली
7.	हिंदी अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग	डॉ0 वासुदेव नंदन प्रसाद	भारती भवन, पटना
8.	अनुवाद के सिद्धांत और प्रयोग	डॉ0 पी. के. बालासुब्रमनयम	मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज,चेन्नई
9.	अनुवाद कला सिद्धांत और प्रयोग	कैलाशचंद भाटिया	लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
10.	अनुवाद विज्ञान और संप्रेषण	डॉ0 हरिमोहन	लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11.	अंग्रेजी हिंदी अनुवाद	डॉ0 दिनेश्वर प्रसाद	अनुपम प्रकाशन, पटना
12.	अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग	डॉ0 जी0 गोपीनाथन	लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
13.	अनुवाद प्रविधि	प्रो0 सूर्यप्रकाश दीक्षित डॉ0 सत्यदेव मिश्र	हिंदी विभाग, लखनऊ वि0वि0
14.	अनुवाद की विविध समस्याएँ	ओमप्रकाश गाबा	मयूर पेपर बैक्स, दिल्ली
15.	काव्यानुवादः सिद्धांत और समस्याएँ	नगीनचंद सहगल	हिंदी मा0 का0 नि0 दिल्ली वि0
16.	अनुवाद विज्ञान : स्वरूप एवं व्याप्ति	डॉ0 मुरलीधर शहा डॉ0 पीतांबर सरोदे	अतुल प्रकाशन, कानपुर
17.	सूचना साहित्य : अनुवाद की चुनौतियाँ	डॉ0 ओ0 वासवन	जयभारती प्रकाशल, इलाहाबाद
18.	अनुवाद के सामयिक परिप्रेक्ष्य	सं0 प्रो0 दिलीप सिंह प्रो0 ऋषभदेव शर्मा	दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, मद्रास
19.	अनुवाद काव्यानुवाद विशेषांक अंक —154	सं0 डॉ0 पूरनचंद टंडन	भारतीय अनुवाद परिषद, दिल्ली

OR

GENERIC/ DISCIPLINE CENTRIC ELECTIVE [ECHIN402C]:

(क्रेडिट: सैद्धान्तिक -04, ट्यूटोरियल -01)

Marks: 30 (MSE: 20Th. 1Hr + 5Attd. + 5Assign.) + 70 (ESE: 3Hrs)=100	Pass Marks (MSE:17 + ESE:28)=45

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

*20 अंको की परीक्षा में प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A'** में पाँच **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के **अनिवार्य** प्रश्न होंगे। **खण्ड 'B'** में 5 अंको के पाँच **विषयनिष्ठ/ वर्णनात्मक प्रश्नों** में से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे।*

छमाही परीक्षा :

*70 अंको की परीक्षा में प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A' अनिवार्य है** जिसमें दो प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 1** में पाँच **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 2 लघु उत्तरीय** 5 अंक का प्रश्न होगा। **खण्ड 'B'** में 15 अंको के छः **विषयनिष्ठ/ वर्णनात्मक प्रश्नों** में से किन्हीं चार के उत्तर देने होंगे।*

नोट : *परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप–विभाजन हो सकते हैं।*
20 अंकों की दो आंतरिक परीक्षाओं में प्राप्त अधिकतम अंक का चयन होगा।
05 अंक उपस्थिति एवं 05 अंक सेमिनार, एन. एस. एस. एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता पर।
(Attendance Upto75%, 1mark; 75<Attd.<80, 2 marks; 80<Attd.<85, 3 marks; 85<Attd.<90, 4 marks; 90<Attd, 5 marks).

झारखंड पर केंद्रित हिंदी लेखन

सैद्धान्तिक : 75 व्याख्यान, ट्यूटोरियल : 15 व्याख्यान

इकाई I - झारखंड के हिंदी साहित्य का परिदृश्य, झारखंड का वैशिष्ट्य

इकाई II - झारखड पर केन्द्रित हिंदी उपन्यास और उनका वैशिष्ट्य

इकाई III - झारखंड पर केन्द्रित कहानी लेखन, कहानियों में वर्णित समस्याएँ, प्रमुख कहानियाँ और कहानीकार।

इकाई IV - झारखंड पर केन्द्रित कविता लेखन, कविताओं में वर्णित समस्याएँ, कविताएँ और कवि, अन्य विधाओं में झारखंड।

इकाई V - जंगलतंत्रम् – श्रवण कुमार गोस्वामी अथवा ग्लोबल गाँव के देवता – रणेन्द्र

अनुशंसित पुस्तकें :–

क्र. स.	रचना	रचनाकार का नाम	प्रकाशक
1.	बुल्के स्मृति ग्रंथ	सं0 डॉ0 दिनेश्वर प्रसाद डॉ0 श्रवण कुमार गोस्वामी	सत्यभारती प्रकाशन, राँची
2.	झारखण्ड इन साइक्लॉपीडिया	सं0 रणेन्द्र एवं सुधीर पाल	वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3.	आदिवासी विमर्श और हिंदी साहित्य	सं0 कुमार वीरेन्द्र	पैसिफिक पब्लिकेशन, दिल्ली
4.	हिंदी कथा साहित्य और झारखंड	अनामिका प्रिया	क्रॉउन पब्लिकेशन, राँची
5.	झारखंडः समाज, संस्कृति और साहित्य	डॉ0 विद्याभूषण	झारखंड झरोखा, राँची
6.	बीसवीं सदी के उत्तरार्द्ध में	डॉ0 विद्याभूषण	शिल्पायन, दिल्ली
7.	इतिहास के मोड़ पर झारखंड	डॉ0 विद्याभूषण	क्रॉउन पब्लिकेशन, राँची
8.	पाठ और परख	डॉ0 विद्याभूषण	राज पब्लिशिंग हा0 दिल्ली
9.	कृति संस्कृति के शब्द	डॉ0 विद्याभूषण	पूनम प्रकाशन, दिल्ली
10.	वनस्थली के कथापुरूष	डॉ0 विद्याभूषण	भावना प्रकाशन, दिल्ली
11.	आदिवासी दर्शन और साहित्य	सं0 वंदना टेटे	विकल्प प्रकाशन, दिल्ली
12.	अतीत के दर्पण में झारखंड	डॉ0 भुवनेश्वर अनुज	भुवन प्रकाशन, राँची
13.	झारखंढ परिदृश्य	डॉ0 सुनील कुमार सिंह	क्रॉउन पब्लिकेशन, राँची
14.	झारखंड का जनजातीय समाज	डॉ0 उमेश कुमार वर्मा	सुबोध ग्रंथमाला, राँची
15.	झारखंड के सपूत	डॉ0 जंग बहादुर पांडेय	शबनम प्रकाशन, कटक